पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

पंडित मदन मोहन मालवीय अकेले महामना हैं ---- राज्यपाल

लखनऊः 25 दिसम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज मदन मोहन मालवीय मिशन द्वारा महामना मालवीय विद्या मन्दिर परिसर में महामना जयन्ती पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि देश की शिक्षा पद्धति में सुधार लाने के लिये मालवीय जी की ओर देखना होगा। आज देश में 700 से ज्यादा विश्वविद्यालय हैं और कोई भी भारतीय विश्वविद्यालय विश्व के 200 उत्कृष्ट विश्वविद्यालय में स्थान नहीं बना पाया है। आज शिक्षण संस्थान को व्यवसाय के रूप में देखा जाता है जबकि मालवीय जी ने चंदा लेकर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना की। गंगा और शिक्षा के सुधार के लिये भगीरथी प्रयास की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज संकल्प लेने की जरूरत है कि जिस उद्देश्य से हमारे शिक्षण संस्थान स्थापित किये गये हैं, उनमें सुधार हो।

राज्यपाल ने कहा कि मालवीय अकेले महामना है और दूसरा महामना कोई नहीं हो सकता। उनके जीवन की प्रासंगिकता बड़े महत्व की है महामना की हैसियत समुद्र के दीप स्तम्भ जैसी है, जो हमेशा रहेगी। उनका हिन्दी भाषा के प्रति लगाव अद्वितीय था। ऊपर से वे जितने कठोर थे, दिल से उतने ही स्नेहमयी थे। वे विद्यार्थियों को अपने पुत्र समान मानते थे। उन्होंने कहा कि मालवीय जी के विचारों से जीवन और सामाजिक जीवन में शुद्धता बढ़ती है।

श्री नाईक ने मदन मोहन मालवीय व पूर्व प्रधानमंत्री, श्री अटल बिहारी बाजपेयी को भारत रत्न दिये जाने पर देश के राष्ट्रपति, डा0 प्रणव मुखर्जी व प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह सुखद संयोग है कि दोनो अद्भुत व्यक्तित्व के महानुभावों को उनके जन्मदिन पर उचित सम्मान मिला है। उन्होंने श्री अटल बिहारी बाजपेयी के व्यक्तित्व के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि उनका सम्मान सभी करते थे और स्वयं उनका श्री अटल जी के साथ 45 वर्षों से ज्यादा समय तक काम करने का सौभाग्य मिला है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर मालवीय जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा एक स्मारिका का भी विमोचन किया। समारोह में शाल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह प्रदान कर राज्यपाल का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में मिशन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री,श्री आर0एन0 वर्मा ने मिशन की गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 में बी0एव0यू0 के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शताब्दी वर्ष मनाया जायेगा।

आर.एन. वर्मी
माननीय राज्यपाल
के.एस.दीक्षित

महामना मालवीय मिशन, लखनऊ
मालवीय जयन्ती समारोह
सुन्दर
गोविन्द राम अग्रवाल
आर.एन. वर्मा